भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5296

जिसका उत्तर 25 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों की गाद निकालना

5296. श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि कर्नाटक सहित देश की नदियों में भारी मात्रा में गाद जमा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का सभी नदियों की गाद निकालने का कोई प्रस्ताव है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) सरकार लम्बी अवधि से नदियों के अवसादन के मुद्दे पर विचार कर रही है। इस संदर्भ में निम्नलिखित समितियों का गठन किया गया था:-

i. नदियों में गाद जमा होने की समस्या का अध्ययन करने के लिए वर्ष 2001 में डॉ. बी.के. मित्तल, पूर्व अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग की अध्यक्षता वाली समिति।

ii. □□□□□□ (उत्तरा□□) से फरक्का (पश्चिम बंगाल) □□ □□□□□□ संबंधी निर्माण कार्यों के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु वर्ष 2016 में श्री माधव चिताले, विशेषज्ञ सदस्य, एनजीआरबीए की अध्यक्षता वाली समिति ।

iii. बिहार राज्य में बाढ़ और गाद की समस्या का समाधान करने के लिए वर्ष 2017 में श्री ए.बी. पण्डय□, पूर्व अध्यक्ष, केन्द्रीय □□ □□□□ की अध्यक्षता में एक समिति।

इन समितियों के निष्कर्षों को सभी पणधारियों के साथ साझा किया गया है।

(□) □□ (□) जलोढ़ नदियों में तट कटाव और गाद जमा होना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। नदियां अपने क्षेत्र की स्थितियों के अनुसार गाद का वहन, उसे एक जगह से दूसरी □□□ □□□□□□ □□ छोड़ती हैं अर्थात नदी में निस्सरण, नदी ढलान, आकृति विज्ञान, गाद की प्रकृति आदि। नदियों के □□□□दन सहित बाढ़ प्रबंधन संबंधी उपाय राज्य सरकारों द्वारा अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार किए जाते हैं। भारत सरकार, राज्य सरकार के प्रयासों में सहायता देने के क्रम में गंभीर क्षेत्रों में तकनीकी सलाह और प्रोत्साहनात्मक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराते हुए राज्य सरकार के प्रयासों □□ □□□□□ □□□ □□

*****